an>

Title: Issue regarding flood situation in Assam and Bihar.

माननीय अध्यक्ष: श्री गौरव गोगोई, आप क्या बोल रहे थे?

श्री गौरव गोगोई (कलियाबोर): अध्यक्ष महोदय, अभी असम और बिहार में बाढ़ की जो स्थिति है, वह बहुत ही गंभीर हो चुकी है । असम में अभी 43 लाख लोग अफेक्टेड हैं, 15 लोग मर चुके हैं । वहां बच्चे भूखे हैं, उनका परिवार उजड़ चुका है और किसान सब कुछ खो चुके हैं । आज बहुत से गांव और काजीरंगा नेशनल पार्क डूब चुके हैं । वर्तमान की केन्द्र सरकार से मेरी दरख्वास्त है कि बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा के हिसाब से दर्जा दिया जाए । ब्रह्मपुत्र नदी पर जो रिवर एम्बैंकमेन्ट है, उसके लिए एक स्पेशल पैकेज दिया जाए । सी.ए.जी. की जो रिपोर्ट है, उसमें कहा गया है कि वर्तमान जल शक्ति मंत्रालय को जितनी राशि असम सरकार को देनी थी, वह राशि नहीं दी गई है । सी.ए.जी. रिपोर्ट के अनुसार जो पैसा बनता है, उसे असम सरकार को दे दिया जाए । इसके लिए मैं केन्द्र सरकार से दरख्वास्त करूंगा । हमारे बिहार के भी एक सांसद है, उनको भी इस संबंध में अपनी बात रखनी है । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सभी माननीय सदस्यों को क्लब किया जाता है ।

…(व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई: अध्यक्ष महोदय, मुझे बिहार के बारे में भी बोलने दीजिए । अभी तो मैंने केवल असम के बारे में बोला है । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आप एक मिनट के लिए बैठिए ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आपके यहां से जल शक्ति मंत्रालय के मंत्री जी दौरा करके आए हैं और सरकार भी गंभीर है । इसका संकेत भी

आपको नजर आ रहा है ।

…(<u>व्यवधान</u>)

डॉ. मोहम्मद जावेद (किशनगंज): सर, बिहार में 33 लोगों के मरने की खबर है । वहां पर कोई भी साधन नहीं दिया जा रहा है । टाइम्स ऑफ इंडिया, चेन्नई में छपा है कि no relief material to the flood victims has reached and they are eating rats in Kathiar in Bihar …(*Interruptions*) सर, कटिहार में लोग चूहे खाकर जिंदा रह रहे हैं । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय राम कृपाल जी, आप क्या बोलना चाह रहे थे?

…(<u>व्यवधान</u>)

श्री राम कृपाल यादव (पाटलीपुत्र): सर, यह बात सही है कि देश के विभिन्न भागों में बाढ़ आई है । बिहार में भी बाढ़ आई है । यह ट्रैजडी बिहार में नेपाल की तरफ से आती है । इस बार भी बिहार में बाढ़ आई है, मगर राज्य और केन्द्र की सरकार तत्परता के साथ सहयोग कर रही हैं । 261 करोड़ रुपये की राशि आवंटित कर दी गई है । वहां राज्य सरकार हर स्तर पर प्रयास कर रही है । एन.डी.आर.एफ. की टीम वहां भेजी जा रही है । केन्द्र व राज्य सरकार ने पर्याप्त मात्रा में साधन दिये हैं । हमारे विपक्ष के सदस्य सदन को गलत जानकारी दे रहे हैं । वह सदन को दिग्भ्रमित करने का काम कर रहे हैं ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय अधीर रंजन जी, आप अपने सदस्यों को समझाएं । अगर आपके सदस्य आपको बोलने नहीं देना चाहते हैं, तो मैं फिर सदन की आगे की कार्यवाही चलाऊं?

…(<u>व्यवधान</u>)